धौलपुर में लगातार बारिश के चलते मकान गिरा, युवक की मौत

दो महिलाओं सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल

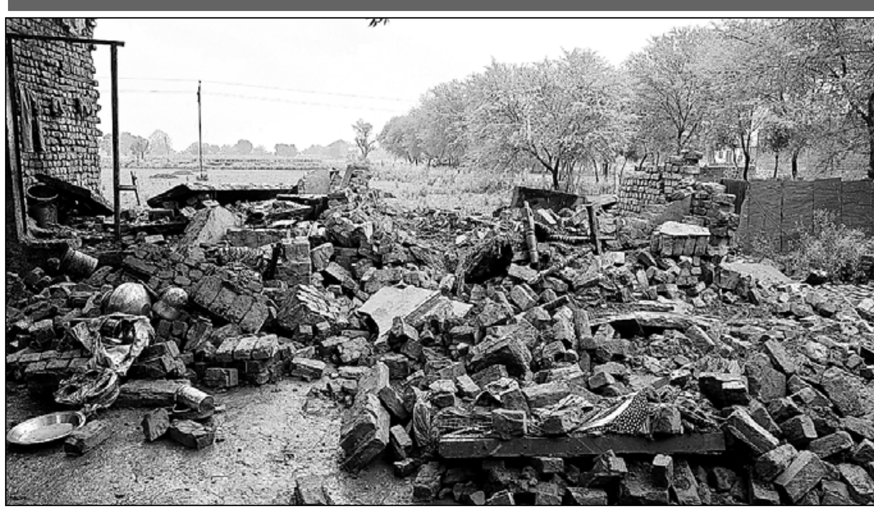

धौलपुर जिले में भारी बारिश से मनियां में एक मकान के दो कमरे भरभरा कर गिर गए।

धौलपुर, (निस)। विपरजॉय तूफान के चलते पिछले 24 घंटे में धौलपुर जिले में भारी बारिश हुई। जिससे मनियां कस्बे में तड़के 3 बजे एक मकान के दो कमरे भरभरा कर गिर गए। जिसमें दबने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई तथा 2 महिलाओं सहित 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें देर रात को पुलिस और प्रशासन की मदद से जिला अस्पताल धौलपुर में भर्ती कराया गया।

मनियां पुलिस थाने के सामने स्थित हरिजन बस्ती में अल सुबह 3 बजे एक पक्का मकान भरभरा कर गिर गया। मकान के दो कमरे गिर जाने से उनमें मौजूद 5 लोगों में से एक की मौत हो गई, जबकि 2 महिला सहित

- **बिपरजॉय तूफान के चलते पिछले 24 घंटे में जिले में भारी बारिश हुई है**

चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मनियां थाना प्रभारी लाखन सिंह ने बताया कि हरिजन बस्ती में अनिल पुत्र महेश और अर्जुन पुत्र महेश अपने-अपने परिवारों के साथ दो कमरों में रहते थे। बारिश की वजह से अचानक दोनों कमरे ढ ह गए। जिससे एक कमरे में मौजूद 26 वर्षीय अनिलकी मौके पर ही मौत हो गई।

वहीं अनिल की पत्नी रूपा निवासी मनियां एवं बहनोई मंकीनिवासी मुजफ्फरपुर घायल हो गए। जबकि अनिल की बहन सपना बाल-बाल बच गई। दूसरे कमरे में सो रहे मृतक अनिल के छोटे भाई अर्जुन की पत्नी रेशमा और भतीजी परी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के समय दूसरे कमरे में रहने वाला मृतक का भाई अर्जुन अपनी ससुराल गया हुआ था। जिससे वह बच गया। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाते हुए मृतक व घायलों को मलबे से बाहर निकाला। इसके बाद शव को मनियां अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया और घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। घटना की सूचना मिलते ही सेक्रेटरी जितेंद्र शर्मा और सरपंच प्रतिनिधि पवन जैन मौके पर पहुंचे। जिन्होंने पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। सेकेट्री जितेंद्र शर्मा ने बताया कि घटना में एक जने की मौत हुई है, वही चार लोग घायल हुए हैं। जिसे लेकर सहायता के लिए प्रस्ताव बनवाकर सरकार को भिजवाया गया है।

पानी में डूबने से एक युवक व दो बालिकाओं की मौत

आहोर, (निसं)। जालोर जिल में आहोर उपखंड के दो अलग-अलग गांवों में पानी में डूबने से एक युवक व दो बालिकाओं की अकाल मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को दलपत पुत्र परखाराम मेघवाल निवासी आहोर अपने चाचा के साथ काम के लिए आहोर से छिपरवाड़ा जा रहे थे, उस दरम्यान जवाई नदी पार करते समय अचानक पैर फिसलने से वह गहरे पानी में गिर गया। साथ चल रहे चाचा ने बचाने का काफी प्रयास किया, लेकिन उसे बचा नहीं पाया। सूचना पर आहोर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से दलपत को ढूंढने का प्रयास शुरू किया। करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद कालूराम मेघवाल किशनगढ व देशाराम भील पचानवा ने अपनी जान जोखिम में डालकर दलपत के शव को पानी के गहरे गड्ढे से बाहर निकला।

इसी तरह वलदरा गांव में दो सगी बहनों के नदी में गिरने से मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक कल शाम को गांव के पास से गुजर रही भूती नदी में पैर फिसलने से मांगीलाल मेघवाल की दो नाबालिग लड़कियां कल्पना व सुष्मिता नदी के बहाव में बह गई। सूचना पर भाद्राजून थानाधिकारी प्रताप सिंह मय जाब्ता मौके पर पहुंचे और लड़कियों की तलाश शुरू की। एसडीआरएफ की टीम ने एक लड़की के शव को तो कुछ घंटों बाद ही बरामद कर लिया, लेकिन दूसरी लड़की का शव को बरामद किया गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद सभी शव परिजनों को सौंप दिए हैं।

तूफान में नागरिक सुरक्षा दल ने बचाई लोगों की जान

अजमेर में लगातार बारिश से कई सालों का रिकॉर्ड टूटा

अजमेर में ''बिपरजॉय'' तूफान के दौरान जिला प्रशासन और नागरिक सुरक्षा दल ने लोगों को खतरे वाले क्षेत्रों से बाहर निकाला।

अजमेर, (कासं)। बिपरजॉय तूफान के दौरान जिला प्रशासन और नागरिक सुरक्षा दल ने पानी से घिरे इलाकों में फंसें कई लोगों की जान बचाई। टीमें लगातार रेस्क्यू में जुटी रहीं और लोगों को खतरे वाले क्षेत्रों से बाहर निकाला। अजमेर में लगातार बारिश से कई सालों का रिकॉर्ड टूट गया है। अभी भी शहर के कई क्षेत्रों

- **लगातार जुटी रहीं टीमें, पानी से घिरे इलाकों में लोगों को बाहर निकाला**

में पानी भरा हुआ है। जिला कलैक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने बताया कि नगरिक सुरक्षा दल ने राजाकोठी स्कूल नाले के पास नागरिक सुरक्षा दल द्वारा किशन रानीवाल 47 वर्ष व उसकी पत्नी 40 वर्ष, पुत्री सरिना 15 वर्ष, पुत्र पीयूष 10 व हरिशंकर 8 वर्ष के मकान में पानी भरने के कारण सुरक्षित निकालकर राजाकोठी स्कूल में ठहराया।

इसी तरह नागरिक सुरक्षा दल द्वारा बधिर विद्यालय के पीछे वैशाली नगर में दाखाबाई नामक 96 वर्षीय महिला का मकान पानी से घिरने के कारण उन्हें मकान से निकालकर सुरक्षित स्थान पर भेजा गया। गढ़ी मालियान में एसडीआरएफ व सिविल डिफेन्स की टीम द्वारा बुजुर्ग महिला 73 वर्षीय कमला देवी को सुरक्षित निकालकर रिश्तेदारों के घर भेजा। नागफणी वार्ड नम्बर 7 मकान पर चान गिरने से क्षतिग्रस्त होने के कारण पहाडी की ढ़लान पर अन्य मकानों से सुरक्षा की दृष्टि से 16 परिवारों को निकालकर सुरक्षित स्थान पर भिजवाया गया।

प्रभारी अधिकारी आपदा प्रबन्धन देविका तोमर ने बताया कि नागरिक सुरक्षा दल द्वारा सुनहरी कॉलोनी राबडिया मोहल्ला में मकान में पानी भरने के कारण फंसे महिला व बच्चों नागरिक सुरक्षा दल द्वारा रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर भेजा। महावीर कॉलोनी पुष्कर रोड़ पर 85 वर्षीय बुजुर्ग महिला को पानी भरे मकान से सुरक्षित निकालकर उनके छोटे बेटे के घर भिजवाया।

रायथल में रेस्क्यू कर 62 लोगों को बचाया

जालोर, (कासं)। जालोर में बिपरजॉय तूफान से बाढ़ के हालात बनने के बाद मंगलवार को लोगों ने राहत महसूस की। वही आहोर के रायथल में फंसे 62 लोगों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया। जिला कलैक्टर व एसपी ने रात को पहुंचकर उक्त को सुरक्षित पहुंचाया।

जालोर जिले में एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की संयुक्त टीम ने कुशल नेतृत्व से कार्य करते हुए किसी प्रकार की जानहानि नही हो सकी । वही सोमवार रात्रि को रायथल में पानी पहुंचने से करीब 62 लोग पानी में फंस गये। जिसकी सूचना मिलने पर एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू कर सभी लोगो को सुरक्षित पानी से बाहर निकाला। वही जिला कलैक्टर निशांत जैन व एसपी मोनिका सेन भी मौके पर मोजूद रही। रायथल गांव में पानी का बहाव ज्यादा आने से प्रशासन ने लोगो को जाने को कहा था। लेकिन कुछ लोग समझाईश के बाद भी नही जाने पर वे फंस गये। यदि समय रहते प्रशासन मुस्तैद नही रहता तो बडा हादसा हो सकता था। जालोर में बाढ के बाद मंगलवार को जन जीवन सामान्य नजर आया। लेकिन बाढ से लोगो को काफी नुकसान उठाना पडा।

विद्युत विभाग बाढ़ में फिसड्डी रहा साबित :- बाढ से ग्रस्त लोगो को आपातकालीन समय मे विद्युत आपूर्ति बहाल करने में विद्युत विभाग का कार्य शून्य नजर आये। जालोर में तेज बारिश से बाढ के हालात बनने के करीब दो दिन बाद भी विद्युत विभाग बिजली की आपूर्ति सुचारू नही कर पाये। वही हैल्पलाईन व अधिकारियों के फोन करने पर किसी भी प्रकार से कोई जवाब नही देने से लोगो में विद्युत विभाग के प्रति नाराजगी देखी गई।

50 लाख रुपये गबन के मामले में कनिष्ठ सहायक गिरफ्तार

आरोपी मोहम्मद सलीम नकवी

मालपुरा, (निसं)। राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मालपुरा मेडिकल रिलिफ सोसायटी फण्ड की राजकोष राशि से 50 लाख रूपये की राशि गबन मामले में विभागीय विशेष जांच दल की रिपोर्ट के आधार पर सीएचसी प्रभारी द्वारा दर्ज करवाई गई पुलिस प्राथमिकी में अनुसंधान करते हुए जांच अधिकारी ने आरोपी कनिष्ठ सहायक को गिरफ्तार किया।

थानाधिकारी बृजेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि निदेशालय चिकित्सा विभाग जयपुर व अजमेर की गठित विशेष जांच टीम द्वारा मालपुरा पहुंच एमआरएस के दस्तावेज सहित कैशबुक व रोकड पंजिका सहित बिल बाऊजर तथा बैंक खाते आदि की कि गई बारीकी से जांच में दोनों ही टीमों द्वारा वर्ष 2016 से वर्ष 2022 तक अलग-अलग सीएचसी प्रभारी के कार्यकाल में लाखों रूपयों की राशि गबन किये जाने का

- **मालपुरा के सरकारी अस्पताल एम.आर.एस. कोष से किया था गबन**

मामला सामने आने पर विभाग द्वारा गबन की राशि 49 लाख 85 हजार 335 रूपये की राशि गबन होना सामने आने के बाद विभाग द्वारा राजकोष की राशि रिकवरी को लेकर तत्कालीन प्रभारी, लेखाकार, कनिष्ठ सहायक सहित आधा दर्जन लोगों को नोटिस जारी किये गये थे। लेकिन राजकोष की राशि जमा नहीं करवाई गई।

मामले से विभाग के आलाधिकारियों को अवगत करवाने व उनके निर्देशों पर मालपुरा थाने में मामला दर्ज करवाया गया था। जांच अधिकारी एएसआई रामनारायण गुर्जर द्वारा जांच कर मंगलवार को मामले में लिप्त आरोपी मोहम्मद सलीम पुत्र मोहम्मद तसलीम नकवी निवासी मालपुरा हाल कनिष्ठ सहायक को गिरफ्तार किया गया। एक आरोपी की गिरफ्तारी के बाद अन्य नामजद आरोपियों में खलबली मच गई। तो सरकारी अस्पताल में भी हडकम्प मच गया। उक्त मामले में एक चिकित्सक व तत्कालीन प्रभारी ने अनुमानित 2 लाख रूपये राजकोष में जमा भी करवा दिये लेकिन शेष आधा दर्जन आरोपियों द्वारा गबन की राशि जमा नहीं करवाई गई।

सड़क हादसे में एक महिला की मौत

बालोतरा, (निसं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बाडमेर विजिट में ड्यूटी से वापस लौट रहे जोधपुर ग्रामीण डीएसपी की सरकारी गाडी व एक निजी कार में जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार महिला की मौत हो गई वही डीएसपी निजी कार में सवार एक अन्य घायल हो गए जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर किया गया है।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पचपदरा वह बागुंडी के बीच दुधवा पुलिस चौकी सरहद के पास में एक निजी कार और ठीक करते समय सामने से आ रही पुलिस की गाडी से टकरा गई टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरीके से क्षतिग्रस्त हो गई। वही पुलिस गाडी में सवार जोधपुर ग्रामीण डीएसपी राजूराम घायल हो गए। सूचना के आधार पर पचपदरा थाना दुधवा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची घायलों को बालोतरा का अस्पताल लाया गया जहां पर डॉक्टरों ने कार सवार महिला निवेदिता मिश्रा निवासी उडिसा को मृत घोषित कर दिया साथ ही डीएसपी को एक अन्य घायल का प्राथमिक उपचार करने के बाद जोधपुर रेफर कर दिया गया है हादसे में दुर्घटनाग्रस्त कार रिफाइनरी के इंजीनियर की बताई जा रही है।

भीलड़ी रेल मार्ग पर सेवाएं सुचारू

जोधपुर, (कासं)। बिपरजॉय तूफान के प्रभाव से हुई तेज बरसात और अत्यधिक जल बहाव के कारण उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल पर समदड़ी-भीलड़ी रेल खंड पर अवरुद्ध हुआ रेल मार्ग दुरुस्त हो गया है। इसके साथ ही इस मार्ग पर रद्द की गई रेल सेवाओं का संचालन भी चरणबद्ध रूप से बहाल किया जा रहा है। डीआरएम पंकज कुमार सिंह ने बताया कि बिपरजॉय चक्रवात के कारण हुई भारी बारिश के कारण जोधपुर मंडल के समदड़ी-भीलड़ी रेल मार्ग पर अनेक स्थानों पर रेल पटरियां मिट्टी व गिट्टी के बहाव से हवा में झूल गई थीं। जिससे कुछ रेल सेवाएं प्रभावित रहीं थीं।

तेज वेग से बह रही बांडी नदी

पाली, (निसं)। वर्षों बाद पाली शहर के बीच बहने वाली बांडी नदी जून माह में तीसरा दिन भी रपट पर वेग से बहती रही, मंगलवार शाम को नदी देखने के लिए पुलिये पर पूरा शहर का उमड़ पड़ा जिसके कारण पुलिस को भारी मशक्कत करनी पड़ी मंगलवार को भी पुलिस का जाब्ता रपट पर तैनात था, इधर जवाई बांध का गेज 40 पार कर गया और हेमावास बांध 27 फीट के पास पहुंच गया, अगर पानी की आवक जारी रही तो बुधवार को बांध ओवरफ्लो हो जाएगा। वहीं पाली जिले के जोजावर क्षेत्र में स्थित भीलबेरी झरना जो कि जिले में सबसे ऊंचा 182 फीट पिछले 2 दिन से पूरे वेग से बह रहा है।

नेशनल हाइवे के करमीसर तिराहे पर देर रात तक लगाया जाम

बीकानेर, (कासं)। श्रीकोलायत में बजरी सहित अनेक खनन सामग्री लेकर देशभर में जाने वाले ट्रक ऑपरेटर अब आंदोलन के मूड में है। दरअसल, इन ट्रक ऑपरेटर्स को बजरी खानों पर 'रवन्ना' नहीं मिलने से जगह-जगह रुपए देने पड़ते हैं। इसी से परेशान होकर ट्रक ऑपरेटर अब बजरी खान से ही रवन्ना लेना चाहते हैं।

देर रात ट्रक ऑपरेटर्स के साथ प्रभुदयाल गोदारा पहुंचे। उन्होंने करमीसर फांटे पर ट्रकों को खड़ा कर दिया। हाईवे के किनारे धरने पर बैठ गए। पुलिस और प्रशासन को सूचना कर दी गई कि ट्रक ऑपरेटर्स यहां चक्का जाम करेंगे। इसके बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार, सीओ सिटी पवन भदौरिया पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुंच गए। यहां करीब 100 पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए। खान विभाग के अधिकारियों को भी मौके पर बुलाया गया। बातचीत में कोई निर्णय नहीं हो सका। ऐसे में ऑपरेटर पूरी रात यहीं पर बैठे रहने की चेतावनी देने लगे।

बाद में एसपी तेजस्विनी गौतम ने प्रभुदयाल गोदारा से बात करके उन्हें समझाया। गोदारा ने आरोप लगाया कि रवन्ना नहीं होने से ट्रक ऑपरेटर्स को जगह-जगह भुगतान करना पड़ता है। ये भी आरोप लगाया कि बड़े नेता इस मामले में लिप्त हैं। ऑपरेटर परेशान हो चुके हैं। हर महीने करोड़ों रुपए का अवैध व्यापार हो रहा है। इसके बाद भी पुलिस और प्रशासन कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। ऑपरेटरर्स ने आरोप लगाया कि बजरी की जगह सिलिका सेंड का रवन्ना दिया जा रहा है। काफी समझाइश के बाद ऑपरेटर ने एकबारगी धरना स्थगित करने का निर्णय किया।

चार साल बाद पानी आने पर लूणी नदी का जगह-जगह हो रहा स्वागत

पश्चिमी राजस्थान की 'मरु गंगा' में पानी आने पर क्षेत्र में खुशी की लहर

बालोतरा में लूनी नदी के आने से ग्रामीणों ने पुजा-अर्चना की।

बालोतरा, (निसं)। पश्चिम राजस्थान की मरु गंगा में चार सालों बाद पानी आने पर क्षेत्र में खुशी की लहर हैं। लूणी नदी का जगह-जगह स्वागत किया जा रहा है। साथ ही किसान व संत महात्मा पूजन कर रहे हैं।

बाड़मेर जिले के समदड़ी, जेठन्तरी, कनाना, सराणा में पूजा अर्चना कर लूणी नदी की अस्तुति की गई। सराणा गांव में महंत परशुराम गिरी महाराज के सानिध्य में लूणी नदी की पूजा अर्चना की गई। इस दौरान महंत परशुराम गिरी महाराज ने लूणी नदी की महत्ता बताते हुए कहा कि मारवाड़ की मरु गंगा में वर्षों बाद पानी की धारा बही है इससे पूरा क्षेत्र आह्लादित है। उन्होंने ने कहा कि जल है तो कल है, जल से ही जीवन हैं। गंगा, यमुना व गोदावरी की तरह लूणी भी पूज्य है। किसानो के चेहरों पर रौनक है। लूणी नदी में पानी आने से किसानों के कृषि कुए रिचार्ज होंगे साथ ही नदी किनारे के खेतों में अच्छी फसल की भी पैदावार होगी।

सिवाना उपखण्ड क्षेत्र के मोतीसरा गांव में घुसा पानी :- बिपरजॉय तूफान के बाद बारिश से लबालब हुआ अमृत सरोवर, अमृत सरोवर से ओवर फ्लो से गांव में घुसा पानी, मौके पर पहुंचे अतिरिक्त जिला कलेक्टर अश्विनी के, पंवार, डीवाईएसपी निरज शर्मा, तहसीलदार हातिफ खान, विकास अधिकारी हनुमानाराम चौधरी ने संभाली कमान, 50 परिवारों को सुरक्षित जगह पर पहुंचाने को लेकर रेस्क्यू शुरू।

सिवाना और समदडी में प्रशासन अलर्ट :- महंत परशुराम गिरी महाराज महेश बी चौहान एसडीएम विवेक व्यास, थानाधिकारी उगमराज सोनी ने आमजन से आव्हान किया है कि क्षेत्रवासी स्वयं व अपने बच्चों को लूणी नदी के पानी में नही उतरने दे। नदी काफी वेग के साथ बह रही है और नदी में कई जगहों पर गहरे खड्डे भी है, ऐसे में सावधानी जरूर रखे।

अजमेर की ऐतिहासिक आनासागर झील ओवरफ्लो

झील के चारों तरफ बने रास्ते भी पानी से लबालब हुए

अजमेर, (कासं)। अजमेर में चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के असर की वजह से हुई बरसात में अजमेर की ऐतिहासिक आनासागर झील को ओवरफ्लो कर दिया है।

- **लंबे समय बाद आनासागर झील के चैनल गेटों को खुलने से बनी चादर को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग आनासागर पहुंचे**

आनासागर के चैनल गेट को खोलकर झील के पानी की निकासी की जा रही है।

लबालब हुई झील का पानी प्रशासनिक निर्णय लेने से पहले ही चैनल गेट को पार कर बाहर निकलना शुरू हो चुका था वही झील के चारों तरफ बने रास्ते भी पानी से लबालब हो चुके थे। नतीजा अजमेर जिला कलेक्टर भारती दीक्षित ने आनासागर के चैनल गेट को खोलकर झील के पानी की निकासी को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मंगलवार दोपहर सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता महेश राठी के निर्देशन में झील के चैनल गेटों को खोलकर पानी की निकासी को सुनिश्चित किया गया।

लंबे समय बाद आनासागर झील के चैनल गेटों को खुलने से बनी चादर को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग आनासागर पहुंचे। सुहाने मौसम में एक तरफ जहां झील के पानी की निकासी लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी तो वही झील के चारों तरफ के रास्ते और उनके समीप पढ़ने वाली बस्तियों को भी इससे बड़ी राहत मिलने की आशा है क्योंकि झील का पानी इन बस्तियों तक घुस चुका है जिसे निकालने की मशक्कत प्रशासन कर रहा है। झील के पानी की वजह से जलभराव इन बस्ती के बाशिंदों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ था।